पाठ १९ चाँद का बच्चा

कविता का सारांश

इस कविता में एक बच्चा चाँद को देखकर उसकी तुलना अपने साथ करता है। उसे लगता है कि चाँद बहुत छोटा और पतला है। वह सोचता है कि चाँद भी एक बच्चा है, जिसे अपने पिता ने बाहर खेलने के लिए भेजा है। वह अपनी माँ से पूछता है कि कल क्यों उसने उसे अपना चाँद कहा था।

शब्दार्थ:

- मुन्ना-सा - छोटा, नन्हा
- चाँद - रात को आसमान में चमकता हुआ ग्रह, जो रात को हम देख सकते हैं।
- अम्मा - माँ, मम्मी
- बच्चा - छोटा बच्चा
- दुबला - कमजोर
- पतला - बहुत ही छोटा , बारीक
- गोला - बड़ा और गोल आकार
- छुप जाता था - गायब हो जाता था
- बादल - मेघ, जलद
- निकल आता था - दिखाई देता था
- खेल - मजाक, खुशी-खुशी समय बिताना
- तमाशा - दिखावा, आकर्षण,मनोरंजन
- घर - गृह, निवास, आवास

egyanarchive

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. यह कविता किसके विषय में है?

उत्तर:- यह कविता एक बच्चे के दृष्टिकोण से चाँद के बारे में है।

2. कविता का नाम 'चाँद का बच्चा' क्यों रखा गया होगा?

उत्तर:- कविता का नाम 'चाँद का बच्चा' इसलिए रखा गया होगा क्योंकि बच्चा चाँद को एक बच्चे के रूप में देखता है। उसे लगता है कि चाँद भी एक छोटा, पतला बच्चा है, जिसे अपने पिता ने बाहर खेलने के लिए भेजा है।

3. आप इस कविता को क्या नाम देना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर:- मैं इस कविता को 'चाँद का दोस्त' नाम देना चाहूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि कविता में बच्चा चाँद से अपने आप को जोड़ता है। वह चाँद को अपना दोस्त मानता है।

4. क्या चाँद हमेशा गोल ही दिखता है?

उत्तर:- चाँद हमेशा गोल नहीं दिखता है। चाँद की आकृति हर दिन बदलती रहती है। पूर्णिमा के दिन चाँद पूरी तरह से गोल होता है, जबकि अमावस्या के दिन चाँद पूरी तरह से गायब हो जाता है।

5. आपकी माँ आपको क्या कहकर पुकारती हैं?

उत्तर:- मेरी माँ मुझे प्यार से 'लालू' कहकर पुकारती हैं।

शब्दों का खेल

नीचे दी गई वस्तुएँ कैसी हैं— गोल, चौकोर, तिकोनी? रेखा खींचकर मिलाइए –

उत्तर:-

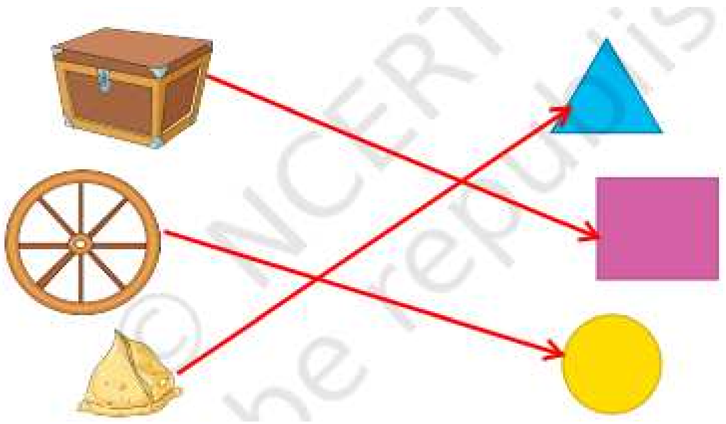

तुक मिलाने वाले शब्दों को खोजकर लिखिए –

- **गोल** – बोल
- **चाँद** – माँद
- **बड़ा** - खड़ा
- **छोटा** - लोटा

चित्र और बातचीत

कौए की कहानी

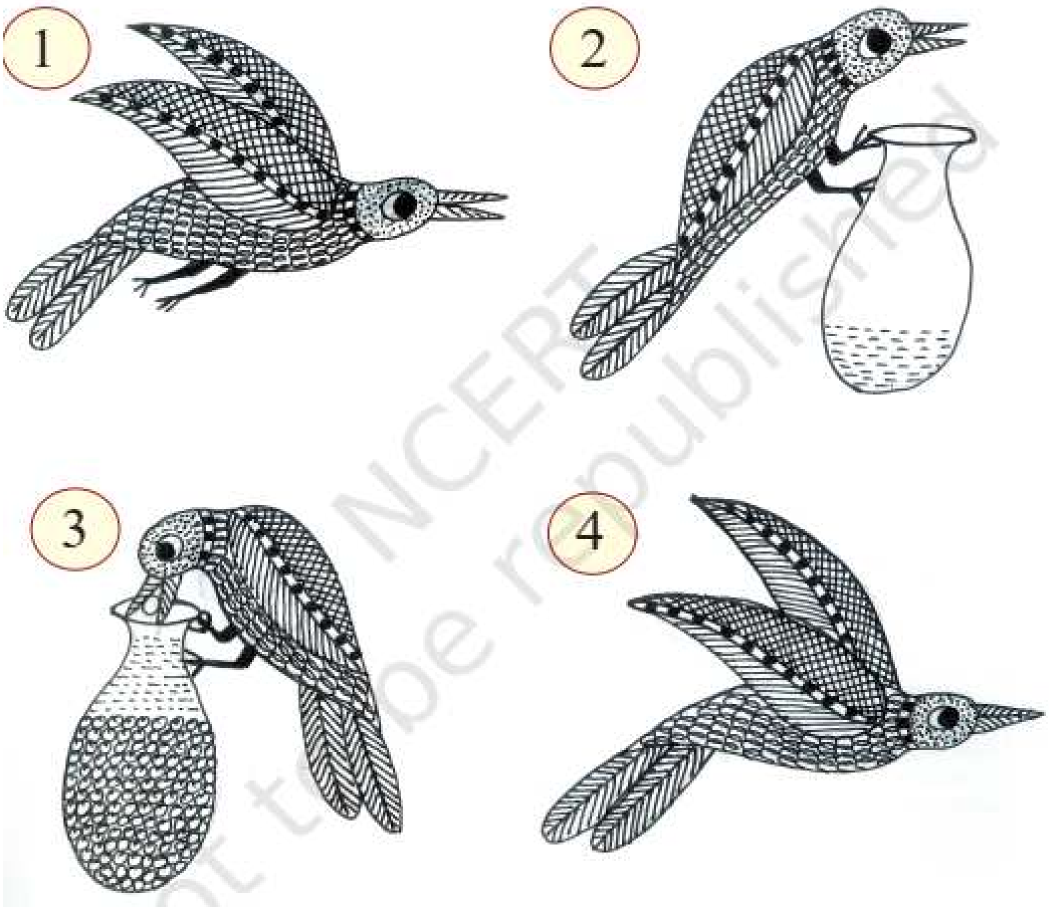

उत्तर:-

एक बार की बात है, एक जंगल में एक बुद्धिमान कौआ रहता था। एक दिन उड़ते उड़ते उसे प्यास लगी, तभी जंगलमें उसे एक मटका दिखाई दिया। वह मटके के पास गया ओर अपनी चोंच डालकर पानी पीने की कोशिश की, लेकिन उसकी चोंच पानी तक नहीं पहुंच पायी। कौए ने बहुत कोशिश की, लेकिन वह पानी नहीं पी पाया।

कौए को बहुत प्यास लगी थी। वह सोचने लगा कि अब क्या करूँ?

तभी कौए को एक विचार आया। उसने आस-पास पड़े पत्थरों को उठाकर मटके में डालना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे वह पत्थर डालता गया, वैसे-वैसे मटके का पानी ऊपर आता गया।

अंत में, पानी कौए की चोंच तक पहुंच गया। कौए ने बड़ी आसानी से पानी पी लिया और उड़ गया।

सीख: - इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें मुश्किल से घबराना नहीं चाहिए। हमें अपनी बुद्धिमत्ता से हर मुश्किल का हल निकालना चाहिए।

egyanarchive

आओ कुछ बनाएँ

अपने आस-पास नीचे गिरे हुए फूल, पत्ते, डंडियाँ एकत्र कीजिए। छोटे समूह में बैठकर इनसे कुछ आकृतियाँ बनाइए। आप तितली, पेड़ आदि भी बना सकते हैं। आकृतियाँ बनाने के बाद कक्षा में सभी को बताइए कि आपने ये कैसे बनाई।

उत्तर:-

चित्रकारी और लेखन

दिए गए चित्र में आप क्या-क्या देख पा रहे हैं? कुछ नाम लिखिए –

उत्तर:- मोर, तोता, सेब, पेड़

अब इन शब्दों से वाक्य बनाइए –

1. **पेड़** - यह एक बहुत बड़ा पेड़ है।
2. **मोर** - मोर एक शाकाहारी पक्षी है।
3. **तोता** - तोता एक बुद्धिमान पक्षी है।
4. **सेब** - सेब एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है।

खेल-खेल में

इस कविता को मिलकर गाइए।

दो समूह बनाइए। एक समूह प्रश्न पूछेगा और दूसरा समूह उत्तर देगा।

कौन परिंदा

कौन परिंदा बोले चूँ-चूँ

कौन परिंदा गुटरू-गूँ

कौन परिंदा पीहू-पीहू

कौन परिंदा कुकड़ू - कूँ

कौन परिंदा बोले काँव-काँव

कौन परिंदा बोले कुहू-कुहू

कौन परिंदा बोले टें-टें

नकल उतारे हू-ब-हू!

egyanarchive

शब्दों का खेल

कविता में आए 'कौन' शब्द पर घेरा लगाइए। पेड़ पर लगे अक्षरों से शब्द बनाइए –

आम

नाम

पानी

डाली

माली

रात

पढ़िए और लिखिए

कविता को आगे बढ़ाइए –

<u>हमने तीन चीज़ें देखीं</u>

हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखी मकड़ी
वह तो खा रही थी ककड़ी
उसके पास पड़ी थी लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखा भालू
वह तो खा रहा था <u>आलू</u>
नाम था उसका <u>भोलू</u>

हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखा बंदर
वह तो खा रहा था <u>चुकंदर</u>
नाम था उसका <u>सिकंदर</u>

egyanarchive

शब्दों में आए अक्षरों के अनुसार उन्हें 'ठ', 'ध', 'ढ', 'ष' के घर में छाँटकर लिखिए –

egyanarchive